



HINDI: BACKGROUND LANGUAGE

ATAR course examination 2024

Recording transcript

This is the 2024 ATAR course examination in Hindi: Background Language, Section One:
Response: Listening.

Turn to page 3 of your Question/Answer booklet and follow the transcript while listening.

You will hear **two** texts in Hindi. Each text will be played twice. There will be a short pause between the first and second readings. After the second reading, there will be time to answer the questions.

You may make notes at any time. Your notes will not be marked. You may come back to this section at any time during the working time for this paper.

Suggested working time: 40 minutes.

Listen to the short text that is printed below. This will help you to become accustomed to the speakers' voices. There are no questions or marks associated with this text.

मनीष: हैलो।

अंजू: हैलो मनीष, क्या हाल हैं?

मनीष: बाकी सब ठीक है पर, स्कूल की छुट्टियाँ बढ़ गयीं हैं और सर्दी भी बहुत है। मेरा मन नहीं लग रहा है।

अंजू: हाँ, मेरा भी। मेरा मन खेलने को कर रहा है पर सर्दी के कारण कोई बाहर खेलना ही नहीं चाहता।

मनीष: अगर तुम चाहो तो मेरे घर आ जाओ। हम बोर्ड गेम खेल सकते हैं। मेरे पास मोनोपॉली और स्क्रैबल हैं।

अंजू: यह तो बहुत अच्छा विचार है। वैसे भी मैं बहुत दिन से स्क्रैबल नहीं खेली हूँ। मैं आती हूँ।

Turn over page and begin Section One

Text 1: नृत्य स्कूल**First reading**

Listen to this invitation and answer Question 1 in **English**.

मैं गर्व के साथ सूचित करना चाहती हूँ कि हमारे शहर में पीएवी नृत्य स्कूल ने शास्त्रीय व बॉलीवुड नृत्य की कक्षाएं शुरू की हैं। यह स्कूल रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ में स्थित है और विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य जैसे भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कत्थक और बॉलीवुड जैसे नृत्यों की शिक्षा प्रदान करेगा। आइये और जानिये विभिन्न प्रकार के नृत्यों के बारे में, जिससे आपको नृत्यशैली चयन करने में सुविधा होगी।

भरतनाट्यम में चेहरे के भावों और मुद्राओं का खास महत्व होता है। कुचिपुड़ी में गाने व नृत्य दोनों का प्रदर्शन होता है। कत्थक पैरों की गति और चेहरे के भावों से कहानी को व्यक्त करता है और बॉलीवुड नृत्य कई प्रकार के नृत्यों का मिश्रण है।

नृत्य का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। नृत्य प्रवासी भारतीयों को उनकी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है। यह केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास भी करता है।

यहां की पहली कक्षा महीने के पहले रविवार ३-४ बजे होगी और शुल्क मात्र \$२० है। कृपया समय और स्थान फिर से नोट करें।

स्थान: रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ

समय: महीने के पहले रविवार को ३-४ बजे तक

शुल्क: \$२० महीना

और हाँ, शास्त्रीय व बॉलीवुड नृत्य कक्षाओं का उद्घाटन समारोह १० मार्च को शाम को ७-८ बजे रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ में होगा।

चाय और जलपान का भी प्रबंध किया गया है।

कृपया अपने आने की सूचना निम्नलिखित मोबाइल नंबर पर ५ मार्च तक भेजें।

०००१११००११.

(15 seconds silence)

Text 1

Second reading

मैं गर्व के साथ सूचित करना चाहती हूँ कि हमारे शहर में पीएवी नृत्य स्कूल ने शास्त्रीय व बॉलीवुड नृत्य की कक्षाएं शुरू की हैं। यह स्कूल रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ में स्थित है और विभिन्न भारतीय शास्त्रीय नृत्य जैसे भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, कत्थक और बॉलीवुड जैसे नृत्यों की शिक्षा प्रदान करेगा। आइये और जानिये विभिन्न प्रकार के नृत्यों के बारे में, जिससे आपको नृत्यशैली चयन करने में सुविधा होगी।

भरतनाट्यम में चेहरे के भावों और मुद्राओं का खास महत्व होता है। कुचिपुड़ी में गाने व नृत्य दोनों का प्रदर्शन होता है। कत्थक पैरों की गति और चेहरे के भावों से कहानी को व्यक्त करता है और बॉलीवुड नृत्य कई प्रकार के नृत्यों का मिश्रण है।

नृत्य का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। नृत्य प्रवासी भारतीयों को उनकी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता से जोड़ता है। यह केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास भी करता है।

यहां की पहली कक्षा महीने के पहले रविवार ३-४ बजे होगी और शुल्क मात्र \$२० है। कृपया समय और स्थान फिर से नोट करें।

स्थान: रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ

समय: महीने के पहले रविवार को ३-४ बजे तक

शुल्क: \$२० महीना

और हाँ, शास्त्रीय व बॉलीवुड नृत्य कक्षाओं का उद्घाटन समारोह १० मार्च को शाम को ७-८ बजे रोलिंग सेंटर, बिला बाग, पर्थ में होगा।

चाय और जलपान का भी प्रबंध किया गया है।

कृपया अपने आने की सूचना निम्नलिखित मोबाइल नंबर पर ५ मार्च तक भेजें।

०००११००११.

Now answer Question 1 in **English**.

(10 minutes silence)

Text 2: स्वस्थ जीवन शैली**First reading**

Listen to the conversation and answer Question 2 in **Hindi**.

मृणाल: आज हमारे साथ स्टूडियो में हैं डॉक्टर कल्याणी जी। डॉक्टर कल्याणी जी पिछले कई वर्षों से पेरिगम मेडिकल सेंटर में डॉक्टर हैं। आज वह हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी। नमस्कार कल्याणी जी, आपका स्वागत है।

कल्याणी: नमस्कार, मृणालजी।

मृणाल: स्वस्थ जीवन शैली अपनाना हम सब के लिए बहुत अनिवार्य है। आप इस बारे में हमें क्या सलाह देंगी?

कल्याणी: जी हाँ, स्वस्थ जीवन शैली अपनाना हम सब के लिए बहुत अनिवार्य है। इसके लिए हमें बहुत से तत्वों को ध्यान में रखना चाहिये किन्तु मैं आज मुख्य रूप से दो तत्वों, पौष्टिक आहार और व्यायाम के बारे में बात करूंगी। अपने व्यस्त-जीवन शैली अथवा लंबे समय तक काम करने की वजह से अक्सर हम फास्ट फूड अथवा बाजार के बने खाने पर अधिक निर्भर करते हैं और कोई व्यायाम भी नहीं करते। निष्क्रिय जीवन व्यतीत करते हैं, जिससे सेहत पर काफी प्रभाव पड़ता है और हम हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और मोटापा जैसी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। हमें कोशिश करनी चाहिये कि सप्ताह में तीन बार किसी भी तरह का व्यायाम करें। अगर वो संभव ना हो तो, हम कम से कम सप्ताहांत में सैर अवश्य करें, जिम जाये, खेल खेलें अथवा योगा अभ्यास करें। व्यायाम करने से हमारे शरीर में स्फूर्ति आती है और हम सक्रिय महसूस करते हैं।

मृणाल: जी, आपने व्यायाम के बारे में अच्छी सलाह दी। खाने का किस तरह से सुधार लाया जा सकता है?

कल्याणी: हमें पौष्टिक आहार खाना चाहिये। पौष्टिक आहार से मेरा अभिप्राय है कि खाने में प्रोटीन, मिनेरलस, विटामिन आदि सभी होने चाहिये। अपने दिनचर्या में अधिक मात्रा में हरी सब्जियां, दालें, फल और मेवों का इस्तेमाल करें। हमें कोशिश करनी चाहिये कि अधिकतर घर पर बना खाना खाएँ। हमें सुबह नाश्ता अवश्य करना चाहिये। पानी ज्यादा मात्रा में पीना चाहिये ताकि निर्जलीकरण से बचा जा सके।

मृणाल: कल्याणी जी, पौष्टिक आहार और व्यायाम के अलावा भी आप कोई सलाह देना चाहेंगी ?

कल्याणी: इस के अलावा, अच्छी निद्रा हमारे स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। हमें सात से आठ घंटे सोना चाहिये।

मृणाल: जी, अच्छी नींद भी शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत अनिवार्य है। कल्याणी जी, समय निकालकर हमारे श्रोताओं को बहुमूल्य सलाह देने के लिये आपका बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

कल्याणी: नमस्कार।

(15 seconds silence)

Text 2

Second reading

मृणाल: आज हमारे साथ स्टूडियो में हैं डॉक्टर कल्याणी जी। डॉक्टर कल्याणी जी पिछले कई वर्षों से पेरिगम मेडिकल सेंटर में डॉक्टर हैं। आज वह हमें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी। नमस्कार कल्याणी जी, आपका स्वागत है।

कल्याणी: नमस्कार, मृणालजी।

मृणाल: स्वस्थ जीवन शैली अपनाना हम सब के लिए बहुत अनिवार्य है। आप इस बारे में हमें क्या सलाह देंगी?

कल्याणी: जी हाँ, स्वस्थ जीवन शैली अपनाना हम सब के लिए बहुत अनिवार्य है। इसके लिए हमें बहुत से तत्वों को ध्यान में रखना चाहिये किन्तु मैं आज मुख्य रूप से दो तत्वों, पौष्टिक आहार और व्यायाम के बारे में बात करूंगी। अपने व्यस्त-जीवन शैली अथवा लंबे समय तक काम करने की वजह से अक्सर हम फास्ट फूड अथवा बाजार के बने खाने पर अधिक निर्भर करते हैं और कोई व्यायाम भी नहीं करते। निष्क्रिय जीवन व्यतीत करते हैं, जिससे सेहत पर काफी प्रभाव पड़ता है और हम हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह और मोटापा जैसी बीमारियों के शिकार हो जाते हैं। हमें कोशिश करनी चाहिये कि सप्ताह में तीन बार किसी भी तरह का व्यायाम करें। अगर वो संभव ना हो तो, हम कम से कम सप्ताहांत में सैर अवश्य करें, जिम जाये, खेल खेलें अथवा योगा अभ्यास करें। व्यायाम करने से हमारे शरीर में स्फूर्ति आती है और हम सक्रिय महसूस करते हैं।

मृणाल: जी, आपने व्यायाम के बारे में अच्छी सलाह दी। खाने में किस तरह का सुधार लाया जा सकता है?

कल्याणी: हमें पौष्टिक आहार खाना चाहिये। पौष्टिक आहार से मेरा अभिप्राय है कि खाने में प्रोटीन, मिनेरलस, विटामिन आदि सभी होने चाहिये। अपने दिनचर्या में अधिक मात्रा में हरी सब्जियां, दालें, फल और मेवों का इस्तेमाल करें। हमें कोशिश करनी चाहिये कि अधिकतर घर पर बना खाना खायें। हमें सुबह नाश्ता अवश्य करना चाहिये। पानी ज्यादा मात्रा में पीना चाहिये ताकि निर्जलीकरण से बचा जा सके।

मृणाल: कल्याणी जी, पौष्टिक आहार और व्यायाम के अलावा भी आप कोई सलाह देना चाहेंगी ?

कल्याणी: इस के अलावा, अच्छी निद्रा हमारे स्वास्थ्य के लिये अनिवार्य है। हमें सात से आठ घंटे सोना चाहिये।

मृणाल: जी, अच्छी नींद भी शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बहुत अनिवार्य है। कल्याणी जी, समय निकालकर हमारे श्रोताओं को बहुमूल्य सलाह देने के लिये आपका बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

कल्याणी: नमस्कार।

Now answer Question 2 in **Hindi**.

(10 minutes silence)

This is the end of Section One.

Complete your answers and continue with the rest of the paper.

The sound equipment can now be turned off.

Copyright

© School Curriculum and Standards Authority, 2024

This document – apart from any third-party copyright material contained in it – may be freely copied, or communicated on an intranet, for non-commercial purposes in educational institutions, provided that it is not changed and that the School Curriculum and Standards Authority (the Authority) is acknowledged as the copyright owner, and that the Authority's moral rights are not infringed.

Copying or communication for any other purpose can be done only within the terms of the *Copyright Act 1968* or with prior written permission of the Authority. Copying or communication of any third-party copyright material can be done only within the terms of the *Copyright Act 1968* or with permission of the copyright owners.

Any content in this document that has been derived from the Australian Curriculum may be used under the terms of the Creative Commons [Attribution 4.0 International \(CC BY\)](https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/) licence.

*Published by the School Curriculum and Standards Authority of Western Australia
303 Sevenoaks Street
CANNINGTON WA 6107*